तापमान

अधिकतम 34 डिग्री
न्यूनतम 29.0 डिग्री

हरिभूमि

रायगढ़-जशपुर भूमि

बिलासपुर, बुधवार 21 अक्टूबर 2026

4

वित्त मंत्री ने किया गौ चिकित्सालय का शुभारंभ, बताया सेवा का नया अध्याय



[खरसिया| सारंगढ़| घरघोड़ा| धरमजयगढ़| पुसौर| बरमकेला| लैलूंगा| तमनार]

खबर संक्षेप

चाकू की नोक पर लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। घरघोड़ा थाना क्षेत्र में राहगीर से आईफोन छीनने और ट्रेलर चालक को चाकू दिखाकर लूटपाट करने के मामलों का पुलिस ने खुलासा किया है। दोनों घटनाओं में शामिल बताए जा रहे तीन आरोपियों में से दो को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीसरा आरोपी फरार है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से झपटमारी में लूटा गया आईफोन और वारदात में इस्तेमाल काले रंग की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देशन में घरघोड़ा पुलिस ने यह कार्रवाई की। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक पहली घटना 13 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे घरघोड़ा-धरमजयगढ़ मार्ग पर बंगाली ढाबे के सामने हुई। ग्राम टेरम निवासी 24 वर्षीय सूरज राठिया का रास्ता रोककर काली हीरो स्प्लेंडर पर सवार तीन युवकों में से एक ने उसकी जेब से आईफोन छीन लिया। इसके बाद तीनों रायगढ़ रोड की ओर भाग निकले। पीड़ित ने 18 अक्टूबर को घरघोड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। दूसरी वारदात 16 अक्टूबर की रात करीब 2 बजे घरघोड़ा बाईपास स्थित हनुमान ईंट भट्ठे के सामने हुई। बिहार निवासी ट्रेलर चालक रंजीत कुमार सिंह के वाहन को तीन युवकों ने ओवरटेक कर रोक लिया। आरोप है कि बदमाशों ने चाकू दिखाकर चालक को नीचे उतारा और गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्कों तथा बेल्ट से मारपीट की। पांच हजार रुपये की मांग पूरी नहीं होने पर उसका रेडमी मोबाइल, मोबाइल कवर में रखे तीन हजार रुपये और ड्राइविंग लाइसेंस लूट लिया। आरोपियों ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। दोनों घटनाओं की जांच के दौरान घरघोड़ा पुलिस ने संदिग्धों की तलाश कर सुरेंद्र चौहान और सुमेष प्रधान को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने लूटे गए मोबाइल से सिम कार्ड निकालकर फेंक दिया था और उसे बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे थे। पूछताछ में दोनों ने अपने साथी समीर महंत उर्फ पप्पू के साथ मिलकर वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया।

सभापति ने मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखा किया रवाना

जांजगीर-चांपा। विकासखण्ड नवागढ़ के ग्राम पंचायत महंत में चैंपियंस स्पोर्ट अकादमी द्वारा जिला स्तरीय मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन 18 अक्टूबर रविवार को किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और दौड़ जैसी खेल गतिविधियों को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सभापति राजकुमार साहू ने मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपस्थित खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि चैंपियंस स्पोर्ट अकादमी ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, खेल प्रेमियों, युवाओं और आम नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

संतुलित जीवनशैली से गंभीर बीमारियों को किया जा सकता है कम

अकलतरा। जेएसडब्ल्यू महानदी पावर कंपनी लिमिटेड, नरियरा में कर्मचारियों एवं श्रमिकों के स्वास्थ्य संरक्षण और रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हृदय रोग जांच शिविर एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 100 लोगों की निःशुल्क रक्तचाप एवं ईसीजी जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। कार्यक्रम में रायपुर स्थित एम.एम.आई. नारायणा अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. स्नेहिल गोस्वामी एवं उनकी टीम ने प्रतिभागियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान हृदय रोग, उच्च रक्तचाप तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान करने और उचित उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कारखाना प्रबंधक अश्वनी मित्तल ने किया। इस अवसर पर डॉ. बसंत पहारे ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। अपने संबोधन में श्री मित्तल ने कहा कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, समय पर उपचार और संतुलित जीवनशैली अपनाकर अनेक गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है। उन्होंने कर्मचारियों एवं श्रमिकों से अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में डॉ. स्नेहिल गोस्वामी ने हृदय रोग, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप से बचाव और उनके प्रभावी प्रबंधन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान रथ में आरूढ़ होकर निकले शहर भ्रमण में घरों में हुई आरती

शोभायात्रा के बाद राम रावण संवाद, फिर छिड़ा भीषण संग्राम, नाभि में बाण लगते ही गूंज उठा हे राम!





हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

देर शाम रामलीला मैदान से मर्यादा पुरुषोत्तम राम, लक्ष्मण, माता सीता और पवन पुत्र हनुमान रथ में सवार होकर शहर भ्रमण के लिए निकले। आगे-आगे दर्जन भर से अधिक कर्मा दल के कलाकार पारंपरिक परिधानों में नाचते-गाते चल रहे थे। इस दौरान लोग घरों से निकल कर आरती कर रहे थे। भ्रमण के दौरान शहर में जय श्री राम के जयघोष से गुंजायमान होता रहा। शोभायात्रा के बादं जब रामलीला मैदान के मंच पर पहुंचे तो राम.रावण संवाद का मंचन हुआ। अहंकार में चूर लंकापति रावण और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के बीच पहले वाक् युद्ध हुआ, फिर दोनों के बीच भीषण संग्राम छिड़ गया। धर्म और अधर्म के इस महासंग्राम में श्रीराम ने रावण को धर्म, नीति और मर्यादा का पाठ पढ़ाया। अंततः श्रीराम का बाण रावण की नाभि में लगा और अहंकार के प्रतीक दशानन का अंत निकट आ गया। बाण लगते ही रावण के मुख से निकले हे राम! के साथ पूरा वातावरण जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा।

खास बात

- पूरे शहर में गूंजता रहा जय श्री राम का जयघोष, चूर चूर हो गया रावण का अहंकार

द्वंद युद्ध के बीच राम को विभीषण ने बताया नाभि में है अमृत कुंड

दोनों योद्धाओं के बीच जब युद्ध चरम पर था तब विभीषण ने राम को बताया कि रावण के नाभि में अमृत कुंड है, इसके कारण सिर काटने के बाद दोबारा जुड़ जा रहा है। तब राम ने अग्नि बाण चलाकर अमृत कुंड को सूखा दिया। इसके बाद रावण ने हे राम कहते हुए अपने प्राण त्याग दिए। इसके बाद पूरे रामलीला मैदान आधे घंटे तक जय जय श्री राम के जयघोष से गुंजायमान होता रहा।

खूब हुई आतिशबाजी

रावण की नाभि में जब राम की बाण लगी तो जयघोष के जमकर आतिशबाजी हुई। आसमान में रंग बिरंगे चमकीली पटाखों की खूबसूरती मन को मोहित करा रहा था। जैसे ही पटाखे की तेज आवाज आसमान में गूंजता वैसे ही लोगों के मुख से जय श्री राम का जयघोष निकलता। करीब एक घंटे तक आतिशबाजी होती रही।

नटवर स्कूल और मिनी स्टेडियम में भी हुआ रावण दहन

रामलीला मैदान में पारंपरिक रामलीला मंचन के बाद जहां राम रावण युद्ध हुआ फिर रावण दहन। वहीं शहर के नटवर स्कूल और मिनी स्टेडियम में भी आतिशबाजी के साथ विशाल रावण का दहन किया गया। यहां भी सैकड़ों की तादात में लोग इसके साक्षी बने।

दशहरे पर नीलकंठ की तलाश, शुभ दर्शन को तरसती रहीं निगाहें

दशहरा आया, रावण दहन हुआ और बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व भी परंपरागत उल्लास के साथ मनाया गया। मगर इस बीच एक पुरानी परंपरा के निर्वहन की आस लगाए निगाहें आसमान से लेकर पेड़ों की डालियों तक नीलकंठ को तलाशती रहीं। मान्यता है कि दशहरे के दिन नीलकंठ के दर्शन शुभ होते हैंए लेकिन इस बार कई लोगों को उसके दर्शन नहीं हो सके। कभी खेतों, बगीचों और खुले मैदानों में सहज नजर आने वाला यह पक्षी अब खास मौकों पर भी लोगों की नजरों से ओझल होता जा रहा है। ऐसे में नीलकंठ की तलाश केवल शुभ दर्शन की प्रतीक्षा नहीं, बल्कि प्रकृति से दूर होते हमारे परिवेश की ओर भी इशारा करती है।

रेलवे स्टेशन में कल होगा रेल जनसंवाद कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

यात्रियों की समस्याओं को समझने और रेलवे सुविधाओं में सुधार के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायगढ़ सहित अन्य स्टेशन में 22 अक्टूबर को एक दिवसीय पैन इंडिया रेल जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत होने वाले इस कार्यक्रम में बिलासपुर सहित मंडल के सभी रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों और आम नागरिकों से सीधे संवाद किया जाएगा।

इस पहल के माध्यम से रेलवे प्रशासन यात्रियों की समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को जानकर यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य रेलवे सेवाओं को अधिक सुविधाजनक, जवाबदेह और यात्री-केंद्रित बनाना है। इसके साथ ही आम लोगों की भागीदारी से रेलवे की व्यवस्थाओं में सुधार करने पर जोर दिया जाएगा। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी स्टेशन परिसर में यात्रियों, युवाओं तथा आम नागरिकों से बातचीत करेंगे। इस दौरान यात्री सुविधाओं, स्टेशन की व्यवस्थाओं, साफ-सफाई और अन्य रेल सेवाओं से जुड़े अनुभवों को सुना जाएगा। यात्री अपनी समस्याएं, शिकायतें और सुझाव भी साझा कर सकेंगे। रेलवे प्रशासन के अनुसार, जनसंवाद के दौरान मिलने वाली प्रतिक्रियाओं और शिकायतों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत दर्ज किया जाएगा। इसके बाद संबंधित मामलों के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस पहल के जरिए यात्रियों की वास्तविक जरूरतों को समझकर सेवाओं में लगातार सुधार करने का प्रयास किया जाएगा।

स्टेशनों पर चलेगा स्वच्छता अभियान

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद संबंधित रेलवे स्टेशनों और रेलवे परिसरों में स्वच्छता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों का उद्देश्य स्टेशन परिसर को साफ-सुथरा, व्यवस्थित और यात्रियों के अनुकूल बनाए रखना है। अभियान के दौरान यात्रियों और आम नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन की सहभागिता से स्टेशन परिसर की सफाई तथा बेहतर वातावरण बनाए रखने पर जोर रहेगा।

रेलवे ने यात्रियों से की भागीदारी की अपील

मंडल रेल प्रशासन ने यात्रियों और आम नागरिकों से 22 अक्टूबर को आयोजित होने वाले जनसंवाद कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। रेलवे प्रशासन का कहना है कि यात्रियों के सुझाव और उनकी समस्याओं से मिलने वाली जानकारी सेवाओं में सुधार के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इस कार्यक्रम के माध्यम से रेलवे प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यात्रियों की अपेक्षाओं को समझना, शिकायतों के समाधान की दिशा में कार्रवाई करना और स्टेशनों को अधिक स्वच्छ एवं सुविधाजनक बनाने का प्रयास करना है।

घर बनाना हुआ महंगा, छह महीने के भीतर ही निर्माण लागत में 25 फीसदी तक हुई बढ़ोत्तरी

छड़, सीमेंट, गिट्टी व मजदूरी के बढ़े दाम से बिगड़ा बजट, मजदूरी 800 रुपए प्रतिदिन तक पहुंची

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

इन दिनों अपना घर बनाने का सपना अब आम आदमी की जेब पर भारी पड़ने लगा है। जमीन खरीदने से लेकर मकान की नींव रखने और छत तैयार करने तक पहले ही बड़ी रकम खर्च करनी पड़ती है। अब निर्माण सामग्री की कीमतों में बढ़ोतरी और मजदूरी दरों में इजाफे ने इस खर्च को और बढ़ा दिया है। स्थानीय बाजार में पिछले 6 महीनों के दौरान छड़, सीमेंट और गिट्टी के दाम बढ़ने के साथ ही राजमिस्त्री और सामान्य मजदूरों की मजदूरी भी बढ़ गई है। इसका सीधा असर उन परिवारों पर पड़ रहा है, जो सीमित आय में धीरे-धीरे अपना मकान तैयार करने की योजना बना रहे हैं। निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदारों के मुताबिक, इस अवधि में कुल निर्माण लागत में करीब 25 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

मकान निर्माण में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली सामग्री की कीमतों में बढ़ोतरी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय बाजार से मिले भावों के अनुसार, 6 महीने पहले छड़ करीब 48 रुपये प्रति किलो मिल रही थी, जिसकी कीमत अब बढ़कर 58 से 60 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। इसी तरह सीमेंट की एक बोरी का भाव करीब 250 रुपये से बढ़कर 280 रुपये हो गया है। गिट्टी की एक ट्रॉली के लिए अब करीब 3 हजार 600 रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं, जबकि पहले इसका भाव लगभग 3 हजार 300 रुपये था। बालू के लिए ट्रैक्टर के हिसाब से 2 हजार से 2 हजार 200 रुपए तक चुकाने पड़ रहे हैं। वहीं ईंट की कीमत भी निर्माण बजट का महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है। सामग्री की कीमतों में इस तरह की बढ़ोतरी से मकान निर्माण के शुरुआती चरण से लेकर अंतिम फिनिशिंग तक खर्च बढ़ रहा है। निर्माण सामग्री के साथ मजदूरों की मजदूरी बढ़ने से मकान बनवाने वालों पर दोहरा बोझ पड़ रहा है। पहले सामान्य मजदूर को एक दिन के काम के लिए करीब 300 रुपये देने पड़ते थे, लेकिन अब यह राशि बढ़कर 350 से 500 रुपये प्रतिदिन तक पहुंच गई है। इसी तरह राजमिस्त्री की दैनिक मजदूरी भी पहले के 600 रुपये से बढ़कर 700 से 800 रुपये तक हो गई है। मकान निर्माण में राजमिस्त्री और मजदूरों की जरूरत लंबे समय तक बनी रहती है। ऐसे में प्रतिदिन की मजदूरी में हुई बढ़ोतरी का असर पूरे प्रोजेक्ट की लागत पर पड़ता है। खासकर उन परिवारों के लिए यह स्थिति मुश्किल पैदा कर रही है, जो अपनी बचत या सीमित आमदनी के आधार पर घर बनवा रहे हैं।



फैक्ट फाइल

सामग्री/मजदूरी	छह महीने पहले	वर्तमान भाव
छड़	48 प्रति किलो	58–60 प्रति किलो
सीमेंट	250 प्रति बोरी	280 प्रति बोरी
गिट्टी	3300 प्रति ट्रॉली	3,600 प्रति ट्रॉली
बालू	-------	2000–2200 प्रति ट्रैक्टर
सामान्य मजदूर	300 प्रतिदिन	350–400 प्रतिदिन
राजमिस्त्री	600 प्रतिदिन	700–800 प्रतिदि
ईंट	-------	6500–7000 प्रति ट्रॉली

सीमित आय वाले परिवारों के सामने चुनौती

अपना घर बनाना हर परिवार के लिए एक बड़ा सपना होता है। कई लोग वर्षों तक बचत करने के बाद मकान निर्माण शुरू करते हैं। ऐसे में निर्माण सामग्री और मजदूरी के दाम बढ़ने से उनकी आर्थिक योजना प्रभावित हो सकती है। पहले तय बजट में मकान तैयार करने की उम्मीद रखने वाले लोगों को अब अतिरिक्त खर्च के लिए तैयार रहना पड़ रहा है। जिले में निर्माण लागत में बढ़ोतरी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि बढ़ती कीमतों के बीच मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए अपना घर बनाना कितना आसान रह गया है। फिलहाल, स्थानीय बाजार के भाव और मजदूरी दरों में हुई बढ़ोतरी के बीच घर बनाने वालों को निर्माण शुरू करने से पहले सामग्री, श्रम और अन्य खर्चों का नए सिरे से आकलन करना पड़ रहा है।

एक साथ बढ़ी सामग्री और श्रम लागत

मकान बनाने में केवल छड़, सीमेंट, गिट्टी और बालू ही नहीं, बल्कि ईंट, प्लास्टर, फर्श, बिजली, दरवाजे-खिड़कियां और अन्य कामों पर भी खर्च होता है। निर्माण के अलग-अलग चरणों में सामग्री और मजदूरी दोनों की जरूरत पड़ती है। ऐसे में यदि कई मदों में एक साथ कीमतें बढ़ती हैं, तो शुरुआती अनुमान के मुताबिक मकान तैयार करना मुश्किल हो जाता है। निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदारों के अनुसार, पिछले छह महीनों में कुल निर्माण लागत में करीब 25 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। हालांकि, वास्तविक खर्च मकान के आकार, डिजाइन, निर्माण की गुणवत्ता और इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री पर निर्भर करता है। लागत बढ़ने के कारण कुछ परिवार निर्माण कार्य को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने की योजना बना रहे हैं, जबकि कुछ को अपने बजट में अतिरिक्त राशि की व्यवस्था करनी पड़ रही है।

पहाड़ जैसी जमीन जब हो चुकी समतल तो मिली अधिकारियों को जानकारी

चार-चार बार बिक चुकी है संबलपुरी की आबंटित जमीन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

संबलपुरी स्थित एक आबंटित जमीन चार-चार बार बिक चुकी है। अब जब पहाड़ जैसी जमीन का समतलीकरण हो रहा है तब इसका खुलासा हुआ है। दूसरी ओर वन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने इसकी शिकायत एक महीने पहले याने बीते सितम्बर में किया था लेकिन अधिकारियों को जांच करने का समय ही नहीं था। अब जब मामले में बड़े अधिकारियों ने जांच का निर्देश दिया है तो मौके पर जांच करने पहुंचे हैं संबलपुरी में पेड़ों से हरे.भरे क्षेत्र को सफाचट कर दिया गया। दिन.रात जेसीबी लगाकर खुदाई की जाती रही, लेकिन जमीन की सच्चाई अब धीरे.धीरे बाहर आ रहा है। बताया जा रहा है कि मूल खसरा नंबर शासकीय जमीन का है। रिकॉर्ड को लेकर जांच की गई तो पता चला कि चार बार जमीन बिक चुकी है। अब राजस्व विभाग इसका पूरा रिकॉर्ड चेक कर रहा है। संबलपुरी में करीब सात एकड़ जमीन पर पेड़ कटाई और समतलीकरण का काम शुरू हुआ तो कई स्थानीय लोगों के कान खड़े हो गए। जंगल के बीच में किसी रायगढ़ निवासी को जमीन कैसे मिली, इसकी पड़ताल की गई। वन प्रबंधन समिति अध्यक्ष ने जेसीबी से हो रही खुदाई और पेड़ कटाई की शिकायत की थी। पूजा ढाबा के पास करीब सात एकड़ जमीन पर असंख्य छोटे.बड़े पेड़ थे। जेसीबी, ट्रैक्टर, हाइवा लगाकर काम कराया जा रहा था।



17 सितंबर को हुई थी शिकायत

17 सितंबर को वन प्रबंधन समिति संबलपुरी के अध्यक्ष शौकीलाल निषाद ने इसकी शिकायत रायगढ़ एसडीएम से की थी। इसके एक महीने बाद गुरुवार को एसडीएम के आदेश पर नायब तहसीलदार ने मौके की जांच की। खनं 251/2 रकबा 1.213 हे. 251/3 रकबा 0.405 हे. 251/4 रकबा 0.202 हे. और 252/2 रकबा 0.809 हे. कुल 2.629 हे. रकबे पर काम हो रहा था। भूमि पर समतलीकरण और मिट्टी खनन का काम हो रहा था। जांच टीम पहुंची तो मौके पर 3 जेसीबी, 5 ट्रैक्टर और एक हाइवा पाया गया। जमीन के चारों ओर प्रीकास्ट वॉल से घेराव किया गया है। अभी यह जमीन किसी बिल्डकॉन के नाम पर है। प्रारंभिक जांच में ही पता चल गया है कि मूल खसरा शासकीय भूमि है। खनं 251 के तीनों टुकड़ों की जांच हुई तो पता चला कि यह जमीन चार बार पलट चुकी है। वर्तमान भूमिस्वामी के पास चौथी रजिस्ट्री के बाद जमीन पहुंची है।

रायगढ़ में ही ऐसा चलता है खेल

सरकारी जमीनों और आवंटन भूमि की अवैध खरीदी-बिक्री पर रोक लगाना चुनौतीपूर्ण बन गया है। पूरे जिले में ऐसे असंख्य प्रकरण हैं। कई जगहों पर आदिवासी को आवंटित जमीन भी सामान्य को बिक्री कर दी गई। संबलपुरी मामले में मूल खसरा 251 के पांच टुकड़े हुए हैं। इसमें पहला टुकड़ा 251/1 रकबा 1.505 हे. शासकीय भूमि के रूप में दर्ज है। इसके अलावा बाकी 251/2, 251/3, 251/4 और 251/5 निजी व्यपवर्तित भूमि के रूप में दर्ज की गई है। सभी आवंटन भूमि हैं। अब तक इसकी चार बार रजिस्ट्री हो चुकी है। आवंटन भूमि सिर्फ खेती के लिए दी जाती है। यहां तो डायवर्सन भी हो गया। इसमें अब कुछ नया खुलासा होने की भी उम्मीद की जा रही है।

विजयदशमी पर पुलिस ने किया शस्त्र पूजन, वैदिक मंत्रों के बीच निभाई परंपरा

रायगढ़। विजयदशमी के अवसर पर पुलिस लाइन में पारंपरिक विधि-विधान के साथ शस्त्र पूजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पुलिस के अस्त्र-शस्त्रों और वाहनों की पूजा कर कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह सहित जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। शस्त्र पूजन से पहले पुलिस के अस्त्र-शस्त्रों और वाहनों की साफ-सफाई कर उन्हें व्यवस्थित रूप से पूजा स्थल पर रखा गया। इसके बाद मां भगवती की आराधना के साथ विधिवत पूजन किया गया। परंपरा के अनुसार राखिया फल की बलि भी दी गई। पूजा संपन्न होने के बाद विजयदशमी की परंपरा का पालन



करते हुए अधिकारियों ने हर्ष फायरिंग की। इस दौरान एडिशनल एसपी अनिल सोनी, एडिशनल एसपी ट्रैफिक पुष्पेंद्र सिंह बघेल, डीएसपी उन्नति ठाकुर, सीएसपी राहुल उइके, डीएसपी रोहित शुक्ला, उत्तम प्रताप सिंह, सुशांतो बनर्जी, रक्षित निरीक्षक अमित सिंह और कोतवाली निरीक्षक अमित तिवारी सहित पुलिस लाइन का अमला मौजूद रहा। इस अवसर पर एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि यह पर्व सत्य, धर्म और न्याय की विजय का प्रतीक है।

खबर संक्षेप

शराब के नशे में धुत मिले एएसआई और आरक्षक

अंबिकापुर। मुलजिम पेशी में आए दुर्ग जिले के सहायक उप निरीक्षक और आरक्षक के शराब के नशे में धुत होकर बेसुध पड़े रहने का मामला सामने आया है। पुलिसकर्मी प्रतीक्षा बस स्टैंड शराब दुकान के पास नशे में जमीन पर पड़े मिले जबकि उसकी इंसास रायफल भी घंटों लावारिश पड़ी रही। अब इस मामले वीडियो वायरल होने के बाद दुर्ग एसएसपी ने दोनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। बताया जा रहा है कि दुर्ग जिले में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक जीवन प्रकाश एक्का और आरक्षक ऋषिकांत त्रिपाठी 17 अक्टूबर को मुलजिम पेशी के लिए अंबिकापुर भेजा गया था। दोनों आरोपियों को सेंट्रल जेल में छोड़ने के बाद ड्यूटी से मुक्त होकर शराब पीने प्रतीक्षा बस स्टैंड चले गए। इस दौरान शासकीय शराब दुकान के समीप बैठकर दोनों ने जमकर शराब पी। शराब पीकर दोनों पुलिसकर्मी इस कदर नशे में धुत हुए कि वे बेहोश हो गये। इस दौरान उनका इंसास रायफल भी लावारिश हालत में पड़ा रहा। इस घटना का वीडियो बनाकर लोगों ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल ने पुलिस टीम को भेजकर इंसास रायफल को सुरक्षित कराने के साथ ही घटना की सूचना दुर्ग एसएसपी को दी। सूचना के बाद मामले में दुर्ग एसएसपी ने दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

हाईवोल्टेज तार की चपेट में आने से युवक की मौत

सीतापुर। जंगली सूअर का शिकार करने जंगल में बिछाए गए हाई वोल्टेज तार की चपेट में आकर 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। चिड़िया का शिकार करने जंगल गया युवक खुद शिकारियों का शिकार हो गया। इस घटना के बाद मृतक के घर मे मातम छा गया है। इस मामले में पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे घरवालों को सौंप दिया है। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार विकासखंड मैनपाट के तराई गांव कुनकुरी खुर्द निवासी 28 वर्षीय सिंधु प्रकाश आ. साधराम रविवार की शाम चिड़िया का शिकार करने जंगल की ओर गया था। युवक चिड़िया का शिकार करने के बजाए खुद शिकारियों का शिकार हो गया। दरअसल जंगल मे जंगली सूअर का शिकार करने शिकारियों द्वारा हाई वोल्टेज तार बिछाया गया था। जिसकी चपेट में आने के बाद युवक बुरी तरह झुलस गया और मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और रात को ही शव हॉस्पिटल भिजवा दिया। अगले दिन मृतक का शव पोस्टमार्टम के बाद घरवालों को सौंप दिया गया। इस घटना के बाद मृतक के घर में मातम छा गया है परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जाँच शुरू कर दी है। इस संबंध में थाना प्रभारी प्रदीप जायसवाल ने बताया कि ग्रामीण जिन पर संदेह व्यक्त कर रहे हैं वो फरार बताये जा रहे है।



बगीचा नगर स्थित दोड़की नदी के तट पर भव्य गंगा आरती में शामिल श्रद्धालु।



कोतबा स्थित असुरबंध तालाब में दुर्गा प्रतिमा का किया गया विसर्जन।

अंचल में उत्साह के साथ मनाया गया बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व

विजयादशमी पर दिया सत्य का संदेश, पंडालों से विदा हुईं मां दुर्गा

ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर थिरके महिला-पुरुष

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक विजयादशमी का पर्व मंगलवार को नारायणपुर में पूरे उत्साह, उमंग और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर में मां दुर्गा की प्रतिमाओं की भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई, वहीं कन्या शाला मैदान में आकर्षक आतिशबाजी के बीच भगवान श्रीराम के हाथों रावण दहन किया गया। एक ओर मां दुर्गा की विदाई के दौरान श्रद्धालुओं की आंखें नम हुईं, तो दूसरी ओर रावण दहन के समय जय श्रीराम के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। दशहरे के इस आयोजन में नगरवासियों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली।

- श्रीराम के हाथों रावण दहन और भव्य आतिशबाजी ने बांधा समां

भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान के रूप में सजे नन्हे बच्चे-दशहरा उत्सव में छोटे-छोटे बच्चों का आकर्षक रूप भी लोगों के बीच चर्चा का विषय रहा। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और वीर हनुमान के स्वरूप में सजे नन्हें बच्चे बेहद मनमोहक लग रहे थे। पारंपरिक वेशभूषा और धार्मिक पात्रों के रूप में उनकी साज-सज्जा ने आयोजन की शोभा बढ़ा दी। इन नन्हे बच्चों को देखकर लोगों के चेहरे खिल उठे। बच्चों के आकर्षक रूप ने दशहरे के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को जीवंत कर दिया। भगवान श्रीराम के हाथों रावण दहन और रामायण के प्रमुख पात्रों के स्वरूप में सजे बच्चों की मौजूदगी ने पूरे आयोजन को विशेष बना दिया।



रावण दहन का दृश्य बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश

रावण दहन के बाद भी मैदान में लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। युवा और बच्चे दशहरा उत्सव की खुशियों में डूबे नजर आए। भगवान श्रीराम के हाथों रावण दहन का दृश्य बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दे रहा था। पूरे आयोजन के दौरान जय श्रीराम के जयकारों और आतिशबाजी से वातावरण उत्साहपूर्ण बना रहा। दूसरी ओर, नगर भ्रमण के बाद मां दुर्गा की प्रतिमाएं रानीकोम्बो स्थित तालाब पहुंचीं, जहां विधि-विधान के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा को नम आंखों से विदाई दी और अगले वर्ष फिर आने की कामना की। मां की विदाई के समय भक्तों के चेहरों पर भावुकता दिखाई दी। नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना और पूजा-अर्चना के बाद प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ शारदीय नवरात्रि उत्सव का समापन हुआ। श्रद्धालुओं ने माता रानी से अपने परिवार, नगर और क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की।

मां दुर्गा की विदाई के भावुक दृश्यों ने उत्सव को बनाया यादगार

गौरतलब है कि नारायणपुर में 11 अक्टूबर को कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्रि की पूजा प्रारंभ हुई थी। नौ दिनों तक विभिन्न दुर्गा पंडालों में मां दुर्गा की आराधना, पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंगलवार को हवन-पूजन के बाद नवरात्रि उत्सव संपन्न हुआ। इसके बाद मां दुर्गा की प्रतिमाओं की विसर्जन शोभायात्रा और विजयादशमी पर रावण दहन के आयोजन ने नगर में धार्मिक उत्साह को और बढ़ा दिया। महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों की भागीदारी से नारायणपुर में दशहरा पर्व भक्तिभाव और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। श्रीराम के हाथों रावण दहन, भव्य आतिशबाजी, राम-लक्ष्मण-हनुमान के स्वरूप में सजे नन्हे बच्चों और मां दुर्गा की विदाई के भावुक दृश्यों ने इस वर्ष के दशहरा उत्सव को यादगार बना दिया।

ढोल-नगाड़ों की धुन पर जमकर थिरके लोग

शारदीय नवरात्रि की पूजा-अर्चना संपन्न होने के बाद मंगलवार को नारायणपुर के विभिन्न दुर्गा पंडालों से मां दुर्गा की प्रतिमाओं की विसर्जन यात्रा निकाली गई। ढोल-नगाड़ों, डीजे और भक्तिगीतों की गूंज के बीच निकली शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, युवा और बच्चे शामिल हुए। माता रानी के जयकारे लगाते हुए श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ते रहे। विसर्जन शोभायात्रा के दौरान महिला-पुरुषों ने भक्तिगीतों और ढोल-नगाड़ों की धुन पर जमकर नृत्य किया। युवाओं की टोलियां डीजे की धुन पर थिरकती हुई चल रही थीं, वहीं महिलाएं और युवतियां भी माता के भजनों पर नृत्य करते हुए उत्सव की खुशियां मनाती नजर आईं। श्रद्धालुओं के उत्साह और माता रानी के जयकारों से नगर का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

विसर्जन यात्रा के दौरान भक्ति, उल्लास और धार्मिक आस्था का अनूठा संगम

दुर्गा पंडालों से प्रारंभ हुई विसर्जन शोभायात्रा जय स्तंभ चौक, नगर बस्ती चौक, अटल चौक, कन्या शाला मैदान और रावण दहन स्थल सहित नगर के प्रमुख चौक-चौराहों और मुख्य मार्गों से होकर गुजरी। शोभायात्रा के रास्ते में जगह-जगह श्रद्धालु मां दुर्गा के दर्शन के लिए खड़े रहे। लोगों ने माता रानी की प्रतिमाओं का स्वागत किया और श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। सड़क किनारे महिला, पुरुषों और बच्चों की भीड़ लगी रही। माता की प्रतिमाओं के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। पूरे मार्ग में जय माता दी के जयकारे गूंजते रहे। विसर्जन यात्रा के दौरान भक्ति, उल्लास और धार्मिक आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला।

आसमान में रंग-बिरंगी आतिशबाजी का शानदार नजारा

विजयादशमी के अवसर पर नारायणपुर के कन्या शाला मैदान में रावण दहन का भव्य आयोजन किया गया। भगवान श्रीराम के स्वरूप में सजे पात्र के हाथों रावण के पुतले का दहन किया गया। जैसे ही श्रीराम ने रावण दहन किया, मैदान में उपस्थित लोगों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। इसके साथ ही आसमान में रंग-बिरंगी आतिशबाजी का शानदार नजारा दिखाई दिया। भव्य आतिशबाजी से पूरा मैदान रोशनी से जगमगा उठा। आसमान में चमकती रंग-बिरंगी रोशनी और पटाखों की गूंज ने दशहरा उत्सव के रोमांच को और बढ़ा दिया। रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में नगरवासी मैदान में पहुंचे थे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। आतिशबाजी के मनमोहक दृश्य को लोगों ने उत्सुकता के साथ देखा और इस यादगार पल का आनंद उठाया।

भावपूर्ण विदाई के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोतबा

नौ दिनों तक चली शक्ति की उपासना और भक्ति के उल्लास के बाद धर्मनगरी कोतबा में शारदीय नवरात्र का समापन अत्यंत भावपूर्ण और भव्य विसर्जन यात्रा के साथ हुआ। मंगलवार को दशमी के दिन तिलगोड़ा मैदान में विराजित मां दुर्गा की प्रतिमा का वैदिक मंत्रोच्चार और जयकारों के बीच असुरबंध तालाब में विसर्जन कर दिया गया। पूरे नगर ने अश्रुपूर्ण नेत्रों और भक्ति-भाव से अपनी आराध्य देवी को विदाई दी।

- आतिशबाजी और गुलाल के बीच झूमे श्रद्धालु, निकली शोभायात्रा

विसर्जन की प्रक्रिया मंगलवार सुबह सिंदूर अर्पण के साथ आरंभ हुई। सुहागिन महिलाओं ने माता रानी को सिंदूर अर्पित कर अखंड सौभाग्य की कामना की। दोपहर 3 बजे तिलगोड़ा प्रांगण स्थित पंडाल से माता की भव्य विसर्जन शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। माता की मनमोहक प्रतिमा को एक सुसज्जित ट्रैक्टर पर विराजमान किया गया था। इस शोभायात्रा का स्वरूप इतना विशाल था कि पूरा नगर इसमें शामिल होने के लिए सड़कों पर उतर आया। शोभायात्रा के आगे आतिशबाजी करते युवाओं की टोली चल रही थी, जो पूरे वातावरण में उत्साह का रंग भर रही थी। वहीं पीछे डीजे पर बजते माता के जसगीत और भजनों की धुन पर श्रद्धालु, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं, नौजवान और समिति के सदस्य शामिल थे, जमकर थिरकते नजर आए। अबीर-गुलाल उड़ाते हुए भक्तगण एक-दूसरे को विजयादशमी की बधाई दे रहे थे।



विदाई गीतों पर भावुक हुए नगरवासी

विसर्जन यात्रा का माहौल उस समय अत्यंत भावुक हो गया जब डीजे पर 'नवरात्र नव दिन माई दशम दिन विदाई' विसर्जन गीत बजा। इस धुन को सुनकर कई नगरवासियों की आंखें छलक आईं और वे भावविभोर होकर यात्रा में शामिल हो गए। वहीं, जब यात्रा कारगिल चौक के पास पहुंची तो 'आमापान के पतरी करेला पान के दोना ओ' जैसे पारंपरिक जसगीतों पर युवा झूम-झूम कर नाचते नजर आए।

असुरबंध तालाब में हुआ विसर्जन

शोभायात्रा शाम लगभग 6 बजे शोभायात्रा असुरबंध तालाब पहुंची। विसर्जन से पूर्व तालाब के घाट पर महाआरती की गई। तत्पश्चात, रअगले बरस तू जल्दी आर के नारों के बीच श्रद्धालुओं ने अत्यंत भावपूर्ण तरीके से माता की प्रतिमा का जल में विसर्जन कर दिया।



नगर भ्रमण और चप्पे-चप्पे पर माता का स्वागत

यह विशाल शोभायात्रा दुर्गा पंडाल से प्रारंभ होकर राम मंदिर पारा, परशुराम चौक, मुख्य मार्ग, बस स्टैंड और कारगिल चौक होते हुए हाईस्कूल पारा स्थित असुरबंध तालाब तक पहुंची। यात्रा मार्ग में जगह-जगह स्थानीय निवासियों ने माता का भव्य स्वागत किया। लोगों ने माता के दर्शन किए, आरती उतारी और पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद ग्रहण किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोतबा चौकी प्रभारी टेकराम सार्थी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल मुस्तैद रहा।

षड़ंगी के भजन संध्या का होगा आयोजन

कोतबा के सार्वजनिक दुर्गा पूजा महोत्सव में इस बार 23 अक्टूबर की रात एक विशेष आकर्षण होगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध भजन सम्राट और जसगीत गायक दिलीप षड़ंगी जी अपनी विशेष प्रस्तुति देंगे। उन्होंने स्वयं एक वीडियो संदेश जारी कर कोतबावासियों और आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं से 23 अक्टूबर की रात तिलगोड़ा मैदान में होने वाली इस भजन संध्या में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। इस कार्यक्रम को लेकर भी क्षेत्रवासियों में भारी उत्साह है।

मना असत्य पर सत्य की जीत का पर्व विजयादशमी

शारदीय नवरात्र सनातन संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। यह पर्व शक्ति की उपासना और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान राम ने लंका पर विजय प्राप्त करने से पूर्व नौ दिनों तक इसी शक्ति की उपासना की थी, जिसके बाद दसवें दिन विजयादशमी मनाई जाती है। कोतबा में भी इस पर्व का समापन पूरे विधि-विधान और पारंपरिक उल्लास के साथ हुआ।

एसएसपी ने दोहराया शांति, सुरक्षा व कानून-व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प

विजयादशमी पर रक्षित केंद्र में विधि-विधान से हुआ शस्त्र पूजन



जशपुरनगर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विजयादशमी के पावन अवसर पर रक्षित केंद्र जशपुर के शस्त्रागार में शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं विधि-विधान के साथ किया गया। इस अवसर पर डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ लाल उमेद सिंह ने शस्त्रों की विधिवत पूजा-अर्चना कर जिले में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आम नागरिकों की सेवा के प्रति जशपुर पुलिस की प्रतिबद्धता दोहराई।

शस्त्र पूजन के दौरान जिले एवं समाज में सुख-समृद्धि, खुशहाली, शांति तथा सर्वांगीण विकास की मंगलकामना की गई। परंपरा के अनुसार प्रतीकात्मक रूप से तलवार से कुष्माण्डा काटकर बलि अर्पित की गई। इसके पश्चात विभिन्न हथियारों से हर्ष फायर किया गया। इस अवसर पर सभी के जीवन में सुख-शांति बनी रहने तथा समाज में आपसी सद्भाव, सौहार्द एवं भाईचारा कायम रहने की कामना की गई।

शक्ति, साहस एवं कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है शस्त्र पूजन-शस्त्र पूजन भारतीय संस्कृति की प्राचीन एवं महत्वपूर्ण परंपरा है। विजयादशमी के अवसर पर शस्त्रों की पूजा शक्ति, साहस, पराक्रम, अनुशासन एवं कर्तव्य के प्रति समर्पण का प्रतीक मानी जाती है। पुलिस विभाग में इस परंपरा का विशेष महत्व है, क्योंकि शस्त्र पुलिस बल के कर्तव्यों के निर्वहन तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिले के सभी थाना एवं चौकियों में भी हुआ शस्त्र पूजन

विजयादशमी के अवसर पर रक्षित केंद्र जशपुर के साथ-साथ जिले के सभी थाना एवं चौकियों में भी परंपरानुसार शस्त्र पूजन किया गया। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विधि- विधान से शस्त्रों की पूजा-अर्चना कर अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण की भावना को दोहराया। इस अवसर पर जिले में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने, कानून-व्यवस्था की प्रभावी निगरानी करने तथा आम नागरिकों की सेवा एवं सहायता के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया गया।

जनसेवा एवं सुरक्षा के प्रति पुलिस ने दोहराई प्रतिबद्धता

विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई तथा अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। इसी भावना के अनुरूप जशपुर पुलिस जिले में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा आम नागरिकों की सहायता एवं सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है। शस्त्र पूजन के अवसर पर पुलिस बल ने अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के संकल्प को दोहराया।

धान खरीदी शुरू होने से पहले ही सक्रिय हुए तस्कर और बिचौलिए

अंबिकापुर। धान खरीदी की प्रक्रिया अभी शुरू भी नहीं हुई है और बलरामपुर जिले में बाहरी धान खपाने वाले तस्कर सक्रिय भी हो गए है। बड़ी मात्रा में यूपी का धान जिले में लाकर बिचौलियों के माध्यम से खपाए जाने की योजना है इसके लिए अभी से ही दीगर राज्यों से धान का परिवहन कर भंडारण किया जा रहा है। इस बात का खुलासा जिला और पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई से हुआ है। एसडीएम के नेतृत्व में टीम ने धनवार चेक पोस्ट में जांच के दौरान तीन ट्रक अवैध धान पकड़ा है जबकि इसके पहले भी चार पिकअप अवैध धान पकड़ा गया था। जब्त किए गए धान को थाना के सुपुर्द किया गया है। बता दें कि खरीफ सीजन के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान बलरामपुर जिले में बड़े पैमाने पर तस्कर यूपी से धान लाकर बिचौलियों के माध्यम से जिले की समितियों में खपाने का काम करते है। प्रतिवर्ष धान खरीदी के सीजन में सैकड़ों क्विंटल धान जब्त किय जाता है लेकिन इसके बाद भी कई समितियों में तस्कर बिचौलियों के माध्यम से धान खपाने में कामियाब हो जाते है।

दोड़की नदी के तट पर गंगा आरती, 31 हजार दीप प्रज्वलित

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

जिले के बगीचा नगर में दोड़की नदी के तट पर भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 31 हजार दीप प्रज्वलित कर पूरे नदी तट को दीपों की रोशनी से जगमगा दिया गया।

धार्मिक आस्था और भक्ति के इस अद्भुत संगम को देखने के लिए नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे और गंगा आरती में शामिल होकर पुण्य के भागीदार बने। इस दौरान एसडीएम बगीचा समीर तिग्गा और एसडीओपी दिलीप कोसले के नेतृत्व में सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन की चाक चौबंद व्यवस्था रही।

धर्म नगरी बनारस से पहुंचे विद्वान पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक गंगा आरती एवं पूजन संपन्न कराया। मंत्रों की गूंज, दीपों की जगमगाहट और भक्तिमय वातावरण ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

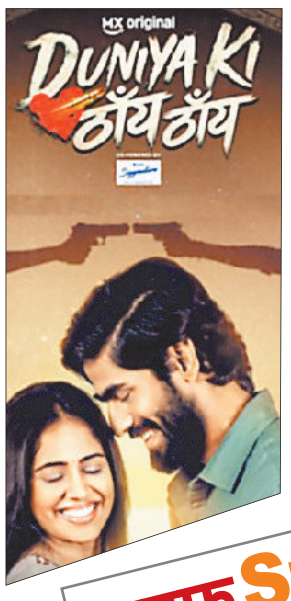


31 हजार दीपों की रोशनी से आलोकित हुआ नदी तट

दोड़की नदी के तट पर एक साथ 31 हजार दीप प्रज्वलित किए जाने से मनोरम दृश्य देखने को मिला। दीपों की रोशनी से सजा नदी तट श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। इस भव्य आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। बनारस से आए पुजारियों द्वारा वैदिक परंपरा के अनुसार संपन्न कराई गई गंगा आरती के दौरान श्रद्धालु भक्तिभाव में लीन नजर आए। पूरे आयोजन में धार्मिक उत्साह और आध्यात्मिक माहौल देखने को मिला। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की।

गंगा आरती में धार्मिक आस्था, परंपरा और सामूहिक सहभागिता तस्वीर

बगीचा के दोड़की नदी तट पर आयोजित इस गंगा आरती ने धार्मिक आस्था, परंपरा और सामूहिक सहभागिता की सुंदर तस्वीर प्रस्तुत की। 31 हजार दीपों की जगमगाहट के बीच संपन्न हुई यह आरती श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण और आस्था का केंद्र बनी रही।



'दुनिया की ठांय-ठांय' का ट्रेलर रिलीज...

मुंबई। अभिनेता ऋषभ जैसवाल और अभिनेत्री दीपाली शर्मा स्टारर 'दुनिया की ठांय-ठांय' के मेकर्स ने ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह सीरीज प्यार, धोखे और सस्पेंस से भरपूर ट्विस्ट वाली एक इंटेंस ड्रामा है। ट्रेलर में ऋषभ जैसवाल और दीपाली शर्मा के बीच एक कड़ा और धमाकेदार आमना-सामना दिखाया गया है। कहानी में विकास कुमार (ऋषभ जैसवाल) एक बड़े सपने देखने वाले युवा शूटर से विक्की भैया बन जाता है। वह अपने प्यार वैष्णवी चतुर्वेदी (दीपाली शर्मा) को बचाने के लिए सब कुछ दांव पर लगा देता है, जो एक ताकतवर विधायक की बेटी है।

लाइफ Style

रश्मिका

साझा किया दिल छू लेना वाला नोट

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने हाल ही में पुट्टपर्थी के एक स्कूल का दौरा किया। इस स्कूल में अभिनेता विजय देवरकोंडा ने अपने स्कूल के कुछ वर्ष बिताए थे। उन्होंने इस अनुभव को शांतिपूर्ण, सुंदर और दिव्य बताया। इंस्टाग्राम पर रश्मिका ने अपनी इस यात्रा के बारे में एक दिल छू लेने वाला नोट साझा किया।

पिछले कुछ सालों में उन्होंने विजय के बचपन, स्कूली दिनों और दोस्तों के बारे में कई किस्से सुने थे लेकिन खुद उस जगह पर जाना अभी बाकी था। कई तस्वीरें साझा करते हुए रश्मिका ने लिखा, दोस्तों, मैं आप सभी के साथ अपना एक अनुभव साझा करना चाहती हूं। इतने वर्षों से मैंने विजय के बचपन, उनकी पढ़ाई और स्कूली दिनों के बारे में बहुत सी बातें सुनी हैं, उनके सभी दोस्त स्कूल के समय के हैं और उन्होंने पुट्टपर्थी में पढ़ाई की है। इसलिए मैं हमेशा उन्हें 'पर्थी बॉयज एंड गर्ल्स' कहकर बुलाती हूं और अब वे मेरे भी बहुत अच्छे दोस्त बन गए हैं। रश्मिका ने कहा, मुझे हमेशा लगता था कि जैसे कोई पहेली अधूरी रह गई हो, क्योंकि यह एक ऐसी जगह थी, जिसे मैंने कभी देखा नहीं था या जहां मैं कभी गई नहीं थी, लेकिन इसके बारे में बहुत कुछ सुना था। आखिरकार, मुझे पुट्टपर्थी जाने का एक बहुत ही सुंदर मौका मिला। मैंने वह स्कूल देखा, जहां उन्होंने पढ़ाई की थी, उनके क्लासरूम और हॉस्टल देखे। वहां मुझे कई प्यारे लोगों से मिलने का मौका मिला, जिनमें एचएम आंटी भी शामिल हैं, वो सच में बहुत ही प्यारी इंसान हैं! वहां जाकर मुझे जो शांति मिली, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।



हॉलीवुड मसाला



टेनिया ने कहा दुनिया को अलविदा

लॉस एंजेलिस। पूर्व ब्यूटी क्वीन टेनिया अब्राहम का किडनी से जुड़ी बीमारी के चलते 32 साल की उम्र में निधन हो गया। किडनी की बीमारी से लंबी और दर्दनाक जंग लड़ने के बाद मात्र 32 साल की कम उम्र में उनका निधन हो गया है। उनके परिवार ने इस दिल तोड़ देने वाली खबर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए उन्हें बहुत जल्दी दुनिया छोड़कर जाने वाला चमकता सितारा बताया और कहा कि उन्होंने अपनी गर्मजोशी से कई जिंदगियों को छुआ था। एक्ट्रेस के निधन के बाद उनका एक पुराना सोशल मीडिया पोस्ट इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।



23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी 'क्लेफेस'

लॉस एंजेलिस। वार्नर ब्रदर्स पिक्चर्स के बैनर तले रिलीज होने वाली 'क्लेफेस' 23 अक्टूबर को भारतीय सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में रिलीज होगी। इस फिल्म की एक्ट्रेस नाओमी एकी ने फिल्म क्लेफेस के डायरेक्टर जेम्स वॉटकिंस की जमकर तारीफ की। नाओमी एकी ने कहा, जेम्स कलाकारों के सुझावों के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और सेट पर हंसी-मजाक का माहौल बनाए रखना भी जानते हैं। फिल्म बनाते समय कई बार खुद को यह याद दिलाना जरूरी होता है कि वे सिर्फ एक फिल्म बना रहे हैं। ऐसे में डायरेक्टर का सहज और शांत स्वभाव कलाकारों को काफी मदद करता है। उन्होंने कहा, इस काम में लोगों के साथ सहज महसूस करना बहुत जरूरी है, खासकर उस व्यक्ति के साथ, जिसके निर्देशों पर कलाकार काम करते हैं।



अनीत ने शोस्टॉपर बन बिखेरा जलवा...

मुंबई। 'सैयारा' फेम अभिनेत्री अनीत पड्डा ने लैक्मे फैशन वीक एफडीसीआई के ग्रैंड फिनाले में रैंप वॉक कर सबका ध्यान खींचा। फैशन शो में अनीत मशहूर डिजाइनर अमित अग्रवाल के प्रेट लेबल की शोस्टॉपर बनीं। उनके स्टाइलिश वायलेट आउटफिट ने फैशन शो में खास आकर्षण बटोरा। रैंप पर अनीत पड्डा का लुक काफी खास रहा। उन्होंने वायलेट रंग का आउटफिट पहना था, जिसमें पफ स्लीव्स, कमर पर खास कट और आरामदायक सिल्हूट देखने को मिला। आउटफिट की अनोखी बनावट और मॉडर्न टेलरिंग ने उनके लुक को अलग पहचान दी। अनीत ने पूरे आत्मविश्वास के साथ रैंप वॉक किया। इसके बाद वह ग्रैंड फिनाले के दौरान डिजाइनर अमित अग्रवाल के साथ स्टेज पर भी नजर आईं।



सनी ने बर्थडे पर फैंस को दिया तोहफा

मुंबई। अभिनेता सनी देओल अपना 69वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर एक्टर की आगामी फिल्म 'सूर्या' की पहली झलक मेकर्स ने रिलीज कर दी है। फिल्म 'सूर्या' के टीजर में सनी देओल फिर से एक बार आक्रामक अवतार में नजर आने वाले हैं। उन्होंने फिल्म में एक ऐसे व्यक्ति के किरदार को निभाया है, जो अतीत के घाव लिए घूम रहा है। वहीं उसका सामना मेडिकल प्रोफेशन से जुड़ी धांधली से होता है। इस सबके बाद सूर्या सच की खोज में निकल जाता है। उसके प्रयास से एक अवैध प्रणाली का पता चलता है, जिससे लोग लंबे समय से अंजान हैं। फिल्म को लेकर निर्देशक एम. पद्मकुमार ने कहा, 'सूर्या के लिए, हम सनी सर को एक ऐसे रूप में दिखाना चाहते थे, जैसा दर्शकों ने उन्हें पहले कभी नहीं देखा।

टीवी मसाला

डायबिटीज मेरी जिंदगी का हिस्सा : ऐश्वर्या

मुंबई। 'सास बिना ससुराल', 'मैं ना भूलूंगी', 'त्रिदेवियां' और 'रिश्ता डॉट कॉम' जैसे शो में नजर आ चुकीं टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या सखुजा पिछले 10 साल से टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रही है। इस बीमारी को लेकर उन्होंने बताया कि उन्हें शुरुआत में गलत बीमारी बताई गई थी। बाद में पता चला कि वह टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रही हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि पिछले 10 साल उनके लिए इंसुलिन लेने, अपनी बॉडी को समझने और लाइफस्टाइल में बदलाव करने का सफर रहा है। डायबिटीज को मैनेज करना कई बार थका देने वाला रहता है। ऐश्वर्या ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 10 साल पहले मेरी बीमारी का गलत पता लगाया गया था। जब तक मुझे समझ आया कि मेरी बॉडी के साथ क्या हो रहा है, तब तक मुझे अंदाजा भी नहीं था कि मेरी जिंदगी इस तरह बदलने वाली है और मुझे हर दिन इसके साथ तालमेल बिठाना पड़ेगा। आज टाइप-1 डायबिटीज के साथ जीते हुए मुझे 10 साल पूरे हो गए हैं। उन्होंने आगे लिखा, 10 साल से इंसुलिन ले रही हूं। 10 साल से अपनी बॉडी को समझ रही हूं। इस दौरान कई उतार-चढ़ाव आए, बहुत कुछ सीखा, कई बार निराशा हुई और धीरे-धीरे चीजों को समझना पड़ा। इन 10 सालों में मैंने अपना ख्याल रखने की कोशिश की है। उन दिनों में भी जब खुद की देखभाल करना किसी फुल-टाइम जॉब जैसा लगता है।



बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही ईशा

मुंबई। छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब एक्ट्रेस ईशा मालवीय बड़े पर्दे पर अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। फिल्म 'तुम मेरे हो' से बॉलीवुड में डेब्यू करने को लेकर ईशा काफी एक्साइटेड हैं। हालांकि, पहली फिल्म को लेकर उनके मन में घबराहट भी है लेकिन वह इस मौके को लेकर ज्यादा खुश हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बड़े पर्दे पर काम करने का मौका मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। ईशा मालवीय ने अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, पहली फिल्म होने की वजह से मैं नर्वस हूं और मुझे डर भी लग रहा है लेकिन मेरी खुशी नर्वस होने से कहीं ज्यादा है। एक आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना मेरे लिए बड़ी बात है। मैं इस मौके को लेकर काफी एक्साइटेड हूं और अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का इंतजार कर रही हूं। ईशा ने कहा, मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं। मुझे लगता है कि अब तक मैंने, जो मेहनत की है, जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया है और मुझे यहां तक पहुंचाने के लिए मेरे माता-पिता ने जो परेशानियां झेली हैं, उन सबका नतीजा अब सामने आ रहा है। मैं फिल्म 'तुम मेरे हो' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हूं। इसके लिए मैं बहुत खुश हूं। ईशा ने कहा, मेरे लिए अभी भी इस बात पर यकीन करना आसान नहीं है कि मैं सच में बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन गई हूं। मुझे कई बार ऐसा लगता है, जैसे मैं कोई सपना देख रही हूं। हालांकि, जब मैं फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ देखती हूं, तो मुझे इस बात का एहसास होता है कि मेरा सपना अब हकीकत बन रहा है।



30 अक्टूबर को रिलीज होगी कॉमेडी फिल्म नखरेवाली'

मुंबई। फिल्ममेकर आनंद एल राय के प्रोडक्शन हाउस की आने वाली फिल्म 'नखरेवाली' की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है। अंश दुग्गल और प्रगति श्रीवास्तव स्टारर यह फिल्म 30 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को एक अलग अंदाज की रोमांटिक कॉमेडी के तौर पर पेश किया जा रहा है, जिसमें प्यार, रिश्तों और लैंगिग समानता से जुड़े मुद्दों को अलग अंदाज में दिखाने की कोशिश की गई है। फिल्म के मेकर्स ने इसकी घोषणा के साथ एक दिलचस्प पोस्टर भी जारी किया है। पोस्टर पर लिखा है, कभी-कभी प्यार में मजनू को भी लैला बनना पड़ता है। यह लाइन फिल्म की कहानी में होने वाले बदलाव की झलक देती है। आमतौर पर रोमांटिक कहानियों में लड़के को प्यार के लिए कोशिश करते और लड़की को मनाते हुए दिखाया जाता है, लेकिन 'नखरेवाली' में रिश्तों के इसी पारंपरिक ढांचे को अलग नजरिए से पेश करने की कोशिश की गई है। फिल्म को 'वुमनटिक कॉमेडी' कहा जा रहा है। यह शब्द वुमन और रोमांटिक कॉमेडी को जोड़कर बनाया गया है।

20 नवंबर को रिलीज होगी 'सत्यवान सावित्री'

चेन्नई। डायरेक्टर प्रवीण एस. विजय की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। कीर्ति सुरेश की लीड रोल वाली इस फिल्म को अब दुनियाभर के सिनेमाघरों में 20 नवंबर को रिलीज किया जाएगा। इसकी जानकारी फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए दी। फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे बैनर ड्रमस्टिक्स प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, अब और खामोशी नहीं। सावित्री की लड़ाई शुरू होती है। मेकर्स ने बताया कि 'सत्यवान सावित्री' 20 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म की रिलीज पहले 24 जुलाई को तय की गई थी, लेकिन बाद में मेकर्स ने रिलीज डेट टाल दी। फिल्म के मेकर्स ने इसी साल मई में इसका फर्स्ट और सेकंड लुक भी जारी किया था। फर्स्ट लुक पोस्टर में कीर्ति सुरेश पीछे मुड़कर देखती नजर आती थीं, जबकि उनके आसपास कई वकील आगे की तरफ देख रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा था, शांत चेहरा, लेकिन रुकने वाली ताकत नहीं। अब खेल उसी का है। 'सत्यवान सावित्री' में कीर्ति सुरेश और मिश्किन के अलावा चारुकेश, बालासरवनन, मधुसूदनन, शिल्पा मंजूनाथ, आर. सुंदरराजन, माला पार्वती और ए. वेंकटेश जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।



फेस्टिव सीजन में ओटीटी पर मनोरंजन का धमाल

मुंबई। फेस्टिव सीजन की शुरुआत हो गई है। खास तैयारियां चल रही हैं। सिनेमाघरों में नई-नई फिल्में रिलीज की कतार में हैं। फिलहाल तो 'जेलर 2' धमाका कर रही है। 'दृश्यम 3', 'नई नवेली' और 'प्रहार' समेत कई और फिल्में लगी हुई हैं। मगर, ओटीटी पर भी कंटेंट की भरमार है।

लव इन डिस्गाइज

अगर के-ड्रामा में दिलचस्पी है तो इस वीक आप इसे देख सकते हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर ड्रामा है। इम सिवान, सियोल इन आह, किम जंग ह्यून और येनवू अभिनीत 'लव इन डिस्गाइज' 19 अक्टूबर से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

गजब रात

मनोज बाजपेयी और नुसरत भरूचा अभिनीत यह एक क्राइम थ्रिलर ड्रामा फिल्म है। फिल्म की कहानी एक पुलिस अधिकारी पर आधारित है। पहले इस फिल्म का टाइटल 'घूसघोर पंडत' था। इस पर काफी विवाद हुआ। इसके बाद नाम बदलकर 'गजब रात' किया गया। यह फिल्म 23 अक्टूबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इस फिल्म में साकिब सलीम, दिव्या दत्ता और कीकू शारदा जैसे सितारे भी हैं। फिल्म का निर्देशन रितेश शाह ने किया है।



चार यार

वेब सीरीज 'चार यार' भी इस वीक दस्तक देगी। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है। यह दोस्तों पर आधारित है। इसमें गरीबी और क्राइम को साथ मिलाजुला कर दिखाया जाएगा। 'चार यार' में पूरव झा, नमन जैन, साकिब अयूब और प्रयाग मेहता अहम किरादारों में नजर आ रहे हैं। इनके अलावा साथ ही साईं तम्हाणकर, सिकंदर खेर, दिब्येंदु भट्टाचार्य, राजेश तैलंग, चंकी पांडे और भगवती पेरुमल भी अहम किरदार निभाते दिखाई देने वाले हैं। सीरीज 23 अक्टूबर से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

द लीजेंड ऑफ हनुमान सीजन 7

भगवान हनुमान पर आधारित सीरीज 'द लीजेंड ऑफ हनुमान' का सातवां सीजन भी इस वीक दस्तक देगा। इस सीजन में लंका का युद्ध अपने सबसे निर्णायक और भयावह मोड़ पर पहुंचता है। वानर सेना निराश होती है। मगर, तभी बजरंगबली उस अस्त्र की तलाश में निकलते हैं, जो हमेशा के लिए रावण का अंत कर सकता है। यह सीरीज 23 अक्टूबर को जियोहॉटस्टार पर दस्तक देगी।

'नोबडी वॉन्ट्स दिस सीजन 3' और 'लुपिन 4'

अगर आपको रोमांटिक कॉमेडी सीरीज में दिलचस्पी है तो इस वीक 'नोबडी वॉन्ट्स दिस' के तीसरे सीजन का भी विकल्प है। यह सीरीज 22 अक्टूबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें क्रिस्टन बेल और एडम ब्रॉडी अहम भूमिका में होंगे। इसके अलावा नेटफ्लिक्स की चर्चित सीरीज 'लुपिन' भी अपने चौथे सीजन के साथ वापसी कर रही है। लोकप्रिय फ्रेंच क्राइम-ड्रामा सीरीज है। 'लुपिन 4' 23 अक्टूबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

सूमो दीदी

यह स्पोर्ट्स बायोपिक है। 'सूमो दीदी', भारत की पहली प्रोफेशनल महिला सूमो पहलवान हेतल दवे की जिंदगी से प्रेरित है। यह फिल्म 23 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देगी। इसमें श्रियम भगनानी लीड रोल में हैं। वहीं, चैतन्य शर्मा, अनुभा फतेहपुरिया, नितेश पांडे, राघव धीर और मीनल कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं। जयंत रोहतगी ने निर्देशन की कमान संभाली है।

खबर संक्षेप

उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के तहत 30 तक आवेदन

सक्ती। छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिभावान निम्न आय वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षण सत्र 2026-27 में राष्ट्रीय स्तर के उच्च व्यावसायिक संस्थानों जैसे आईआईटी, एआईआईएमएस, आईआईएम, एनएलयू, एमबीबीएस, नीट एवं आईआईआईटी में चयन उपरांत प्रवेश प्राप्त करने के लिए तत्कालिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना संचालित है। योजनांतर्गत पात्र विद्यार्थियों से निर्धारित प्रपत्र में 30 अक्टूबर तक संबंधित कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, सक्ती में पंजीकृत डाक अथवा स्वयं उपस्थित होकर ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद पर भर्ती के लिए आवेदन 29 तक

जांजगीर-चांपा। एकीकृत बाल विकास परियोजना पामगढ़ अंतर्गत आगनबाड़ी केन्द्र पामगढ़ 1 वार्ड कमांक 5 गोकुल नगर में कार्यकर्ता के पद पर भर्ती के लिए 29 अक्टूबर तक समय 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक वेबसाइट पर आंनलाईन आवेदन आंमत्रित किया गया है। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना पामगढ़ ने बताया के निर्धारित तिथि के पश्चात कोई भी आवेदन आनलाईन अपलोड नही किया जा सकेगें। आवेदन के संबंध में विस्तृत जानकारी देखने भी लिंक पर देखा जा सकता है तथा एकीकृत बाल विकास परियोजना पामगढ़ की सूचना पटल, मुख्य नगर पंचायत अधिकारी पामगढ़ एंव संबंधित वार्ड के सूचना पटल से प्राप्त किया जा सकता है।

रकबा सत्यापन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर

सक्ती। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी के दौरान परेशानी से बचने के लिए जिले के किसानों को अपनी पंजीकृत सूची और रकबे का सत्यापन कराने की अपील की गई है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बिलासपुर, जिला सक्ती के नोडल अधिकारी ने बताया कि सभी पंजीकृत किसान अपनी संबंधित सहकारी समिति में जाकर किसान सूची का अवलोकन कर लें। अपनी पंजीकृत भूमि और धान के रकबे का मिलान अवश्य करें।यदि सूची में नाम, भूमि विवरण या धान के रकबे में किसी प्रकार की त्रुटि या अंतर पाया जाता है तो संबंधित समिति में संपर्क कर 31 अक्टूबर 2026 से पहले सुधार करा लें।उन्होंने कहा कि समय-सीमा के भीतर सत्यापन और सुधार करा लेने से धान खरीदी के दौरान होने वाली परेशानियों से बचा जा सकेगा और खरीदी प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सकेगी। किसानों से अपील की गई है कि अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए जल्द से जल्द अपनी समिति में जाकर रिकॉर्ड की जांच कर लें।

संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा महापुराण ज्ञान यज्ञ 22 से

चांपा। बिरथरे परिवार द्वारा नगर में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा महापुराण ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन 22 अक्टूबर से किया जाएगा। आठ दिवसीय इस आयोजन में सुप्रसिद्ध कथा वाचिका सविता गोस्वामी अपनी अमृतमयी वाणी से श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराएंगी। नगर में शांति, समृद्धि, आध्यात्मिक चेतना और सर्वजन कल्याण की भावना से आयोजित यह धार्मिक अनुष्ठान 22 से 29 अक्टूबर तक चलेगा। कथा का आयोजन महात्मा गांधी भवन के पास, चौपाटी के सामने स्थित द मॉडर्न विलेज प्रांगण, चांपा में किया जाएगा। प्रतिदिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक कथा प्रवचन होगा। आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महापुराण ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ गुरुवार 22 अक्टूबर को भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। कलश यात्रा नगर भ्रमण करते हुए कथा स्थल द मॉडर्न विलेज पहुंचेगी। इसके पश्चात वेदी पूजन, श्रीमद्भागवत महात्म्य का वर्णन एवं विधिवत पूजन-अर्चन किया जाएगा। कथा के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भक्ति, धर्म, सदाचार और जीवन मूल्यों का संदेश दिया जाएगा। बुधवार, 28 अक्टूबर को सुदामा चरित्र सहित अन्य प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा ।

छत्तीसगढ़ की कला प्रतिभाओं ने राष्ट्रीय मंच पर लहराया परचम

डा. आनन्द व घनश्याम को मिला प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

प्रदेश के दो प्रतिभाशाली कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी के प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सुदूर आदिवासी अंचल जशपुर में रंगमंच की अलख जगाने वाले डॉ. आनन्द पाण्डेय को उत्कृष्ट अभिनय तथा सारंगढ़ के घनश्याम साहू को विशिष्ट नाट्य लेखन एवं छत्तीसगढ़ी फिल्मों में प्रभावशाली पटकथा लेखन के लिए यह राष्ट्रीय सम्मान मिला है। दोनों कलाकारों की इस उपलब्धि ने छत्तीसगढ़ की रचनात्मक प्रतिभाएं सांस्कृतिक समृद्धि और नाट्य परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि के लिए संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने दोनों कलाकारों को बधाई दी है। छत्तीसगढ़ के वनांचलों और छोटे कस्बों से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले इन कलाकारों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा और सृजनशीलता किसी भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती।

- पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने दोनों कलाकारों को दी बधाई
- छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले कलाकार प्रदेश की अमूल्य धरोहर





पुरस्कार देते केन्द्रीय संस्कृति मंत्री।

डॉ. आनन्द ने रंगमंच को दी नई पहचान

छत्तीसगढ़ के सुदूर आदिवासी अंचल जशपुर में रंगमंच की परंपरा को आगे बढ़ाने और अभिनय के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले डॉ. आनन्द पाण्डेय को उत्कृष्ट अभिनय के लिए प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनकी यह उपलब्धि जशपुर सहित पूरे सरगुजा अंचल और छत्तीसगढ़ के रंगमंच से जुड़े कलाकारों के लिए प्रेरणादायी है। डॉ. पाण्डेय की कला साधना इस बात का उदाहरण है कि सीमित संसाधनों और दूरस्थ क्षेत्रों में रहकर भी प्रतिभा, परिश्रम और समर्पण के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई जा सकती है।

नाट्य लेखन और छत्तीसगढ़ी सिनेमा को दिलाया गौरव

सारंगढ़ के प्रतिभाशाली लेखक घनश्याम साहू को उनके विशिष्ट नाट्य लेखन और छत्तीसगढ़ी फिल्मों में उत्कृष्ट पटकथा लेखन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश की साहित्यिक, नाट्य और सिनेमाई रचनात्मकता के लिए महत्वपूर्ण है। नाट्य लेखन और पटकथा लेखन किसी भी रंगमंचीय प्रस्तुति अथवा फिल्म की आत्मा होते हैं। प्रभावशाली कथानक, संवेदनशील संवाद और सामाजिक जीवन से जुड़े विषयों को रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदान करने में लेखकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। श्री साहू को मिला यह सम्मान छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य और सिनेमा के क्षेत्र में कार्यरत रचनाकारों के लिए उत्साहवर्धक है।



हरियाणा में छग कला संस्कृति की खुशबू विखेर रहे स्वयं सेवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर फतेहाबाद हरियाणा में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए शहीद नंदकुमार पटेल विश्व विद्यालय के 8 स्वयं सेवक कार्यक्रम अधिकारी भोजराम पटेल के नेतृत्व में सहभागी होकर दस राज्यों के स्वयंसेवकों के मध्य अपनी छत्तीसगढ़ी कला व संस्कृति के माध्यम से एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश दे रहे हैं। वहीं छत्तीसगढ़ के लोक कला पर आधारित गीत व नृत्य की प्रस्तुति से शिविराथियों तथा शिविर ग्राम भट्टू के लोगों को विशेष रुप से प्रभावित कर रहे है।

विदित हो कि हरियाणा प्रांत में 2 हायर सेकण्डरी स्तर के राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवकों का राष्ट्रीय एकता शिविर दिनांक 16 से 22 अक्टूबर तक भट्टू फतेहाबाद में युथ फार माय एवं युथ फार डिजीजल लिट्रेसी थीम पर संचालित है। जहाँ दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमांचल प्रदेश, हरियाणा के सात जिला से स्वयं सेवक भाग ले रहे है। इस शिविर में छत्तीसगढ़ के शहीद नंदकुमार पटेल विश्व विद्यालय रायगढ़ से रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. कौर चौबे के निर्देशन में 4 छात्र एवं 4 छात्रा सहभागी होकर अपने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए यहां की कला संस्कृति की खुशबू से अधिकारी एवं शिविरार्थियों को विशेष रूप से प्रभावित कर रहे है। दिनांक 18 अक्टूबर को इन स्वयं सेवकों को अग्रोहाधाम एवं सिंधुघाटी की सभ्यता के पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण कराया गया 19 अक्टूबर को शिविर ग्राम भट्टू में सांस्कृतिक रैली निकाल कर राष्ट्रीय एकता पर्यावरण सुरक्षा विकसित भारत नशामुक्ति जागरुकता का संदेश दिया गया। नगर के चौक चौराहो में नुक्कड नाटक के माध्यम से नशामुक्ति एवं स्वच्छता का संदेश दिया गया।

नवरात्रि की नवमी पर कराया भंडारा श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

बरमकेला। शारदीय नवरात्रि की नवमी के पावन अवसर पर नायक परिवार द्वारा धार्मिक श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में भंडारा प्रसाद का आयोजन किया गया। परिवार के तीनों बेटों नीरज नायक, प्रेमांशु नायक एवं भुवंश नायक के नाम से आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामवासियों के लिए प्रसाद वितरण किया गया।

इस आयोजन में परिवार की धार्मिक आस्था और संस्कारों की झलक देखने को मिली। मां दुर्गा की आराधना के पावन पर्व पर भंडारा आयोजित कर लोगों के बीच सेवा, समर्पण और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया गया। नवरात्रि की नवमी तिथि पर इस तरह के धार्मिक आयोजन हमारी परंपराओं को जीवंत रखने के साथ ही आपसी प्रेम और भाईचारे को भी मजबूत बनाते हैं। जनपद पंचायत बरमकेला के ग्राम नवापाली निवासी स्व. मुरलीधर नायक जो हमेशा धार्मिक प्रवृत्ति के आदमी रहे हुए है और ऐसे कार्यक्रमों में हमेशा आगे आकर लोगो की से हमेशा से करते रहे है। अब उनके चले जाने के बाद उनके बड़े बेटे प्रमोद नायक जो ग्राम पंचायत बोईरडीह के सरपंच प्रतिनिधि है और उनके साथ उनके छोटे बेटे खिरोद नायक के परिवार की ओर से भी ऐसे धार्मिक आयोजनों में हमेशा आगे रहकर लोगो की इस तरह के आयोजनों में सेवा देने हमेशा आगे तत्पर रहते है। ग्राम बोईरडीह के प्रायमरी स्कूल में आयोजित इस भंडारा प्रसाद कार्यक्रम के माध्यम से मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा व्यक्त की गई तथा परिवार की सुख समृद्धि और उज्वल भविष्य की मंगलकामना की गई। नवरात्रि के पावन अवसर पर भक्ति, सेवा और संस्कार से जुड़ा यह आयोजन धार्मिक आस्था का सुंदर उदाहरण बना।



वित्त मंत्री ने किया गौ चिकित्सालय का शुभारंभ, बताया सेवा का नया अध्याय

रायगढ़। शहर की ऐतिहासिक धरोहर चक्रधर गौशाला में गायों के समुचित उपचार के लिए नवनिर्मित अत्याधुनिक चिकित्सालय का शुभारंभ वित्त मंत्री ओपी चौधरी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने गौशाला प्रबंधन, ट्रस्ट के पदाधिकारियों और नई पीढ़ी के युवा कार्यकर्ताओं की मुक्तकंठ से सराहना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि गौसेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। गौ माता के समुचित इलाज के लिए आप लोगों ने जो पहल की हैए वह अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय है। शहर के मध्य में स्थित इस महत्वपूर्ण स्थल को गौसेवा के लिए समर्पित रखना अपने आप में बड़ा संकल्प है। आपका यह प्रयास आने वाली पीढ़ी को सदा प्रेरित करेगा। इस सेवा को दानवीर सेठ किरोड़ीमल की नगरी में नया अध्याय बताते हुए उन्होंने कहा कि सेठ किरोड़ीमल की इस दानवीर नगरी रायगढ़ में आज गौ चिकित्सा की परंपरा का जुड़ना, दानवीरता के इतिहास में एक नया अध्याय है। सैकड़ों वर्ष पूर्व स्थापित इस गौशाला को जिस तरह पुरानी पीढ़ी ने सहेजा और आज नई पीढ़ी उसे नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है, वह देखकर मन को असीम संतोष होता है। असली काम करने वाले कभी माइक के सामने नहीं आते वे चुपचाप सेवा करते हैं और आप वहीं कर रहे हैं। गौसेवा का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व महत्व पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि हमारे सनातन धर्म और शास्त्रों में गौ माता में 33 कोटि देवी देवताओं का वास बताया गया है। गौ माता की सेवा करने से न केवल पुण्य की प्राप्ति होती है बल्कि समाज में समृद्धि और सकारात्मकता आती है। रायगढ़ संस्कारों, संस्कृति और दान की नगरी है। यहां जितना भंडारा और सेवा कार्य होता है, उतना अन्यत्र कहीं नहीं होता। इस पुनीत धरोहर को सहेजने के लिए मैं समाज के हर व्यक्ति को नमन करता हूं। वित्त मंत्री ने कहा कि कुछ सेवा कार्य ऐसे होते हैं जो सरकार अकेले समाज के सहयोग के बिना नहीं कर सकती समाज का साथ जरूरी और गौशाला का संचालन उनमें सबसे प्रमुख है। सरकार योजनाएं और प्रोजेक्ट बना सकती है, लेकिन जब तक समाज के सकारात्मक लोग आगे नहीं आतेए तब तक कोई भी प्रयास पूरा नहीं होता। जब समाज साथ खड़ा होता है तो बड़े से बड़े कार्य भी सरल हो जाते हैं।



पचरी धाम से प्राचीन कलश सहित सामग्री चोरी, ग्रामीणों ने की कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ अकलतरा

सतनाम मंदिर पचरी धाम से प्राचीन कलश सहित अन्य सामग्री चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना से नाराज ग्रामीणों ने थाना प्रभारी अकलतरा को आवेदन सौंपकर जांच, चोरी गई सामग्री की बरामदगी और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार मंदिर में वर्ष 1945 से पूजा-अर्चना की परंपरा चली आ रही है। 17 अक्टूबर को करीब पांच किलोग्राम वजनी प्राचीन काशा धातु का कलश चोरी होने की जानकारी सामने आई। आवेदन में सिंटेक्स टंकी, एलईडी बल्ब, रेलिंग, लाउडस्पीकर यूनिट और बिजली तार सहित अन्य सामग्री के नुकसान का भी उल्लेख किया गया है।ग्रामीणों ने चोरी गई सामग्री की कुल कीमत करीब 46,800 रुपये बताई है। उन्होंने मंदिर परिसर में पूर्व में हुई कथित तोड़फोड़ एवं नुकसान की घटनाओं की जांच कराने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग भी की है। इस दौरान ग्रामीणों का कहना है कि सतनाम मंदिर पचरी धाम क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है।

कलेक्टर ने चंद्रपुर क्षेत्र पहुंचकर पीवी ऐप सर्वे कार्यों का किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सक्ती

चंद्रपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरहागुड़ा में कलेक्टर द्वारा पीवी ऐप के माध्यम से किए जा रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने चंद्रपुर पहुँचने पर सर्वप्रथम माँ चंद्रहासिनी के दर्शन कर नवरात्र पर्व के दौरान आने वाले श्रद्धालुओ के लिए मन्दिर परिसर की व्यवस्थाओ का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन ने ग्राम बरहागुड़ा के खेतों में चल रहे सर्वे कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने सर्वे कार्य में लगे सर्वेयर सहित संबंधित राजस्व अधिकारियों, कृषि विभाग, सहकारिता विभाग एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य पूरी सावधानी एवं सटीकता के साथ त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सर्वे कार्य के दौरान किसी भी किसान का रकबा अथवा खसरा छूटने नहीं पाए। उन्होंने कहा कि सर्वे के दौरान सभी आवश्यक जानकारियों का सही-सही संकलन सुनिश्चित किया जाए, ताकि डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पूर्ण हो सके। कलेक्टर ने क्षेत्र के किसानों से सर्वे कार्य में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि पीवी ऐप सर्वे एवं एग्रीस्टैक पंजीयन से वंचित शेष किसान अपना पंजीयन अवश्य कराएं, ताकि कोई भी पात्र किसान इस प्रक्रिया से छूटने न पाए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम डभरा विनय कश्यप, तहसीलदार संजय मिंज, नायब तहसीलदार आशीष पटेल सहित अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी व ग्रामीण उपस्थित रहे। कलेक्टर के निर्देशन में अपर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार सहित राजस्व एवं विभागीय अधिकारी पीवी ऐप से संबंधित कार्यों का कर रहे निरीक्षण कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन के निर्देशन में जिले में पीवी ऐप से संबंधित कार्यों की प्रगति एवं क्रियान्वयन की सतत निगरानी की जा रही है। इसके तहत अपर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार सहित राजस्व एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मैदानी स्तर पर पहुंचकर कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा कार्यों की स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं, ताकि निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण किया जा सके।



सुख समृद्धि एवं जन जन के मंगल की कामना

पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ मंत्र जप की पूर्णाहुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंद्रपुर

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर धार्मिक नगरी चंद्रपुर स्थित गायत्री चेतना केंद्र में गायत्री मंत्र जप पूर्णाहुति कार्यक्रम श्रद्धाए भक्ति एवं आध्यात्मिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। मां भगवती की असीम कृपा एवं परम पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद से आयोजित इस पुनीत कार्यक्रम में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ के माध्यम से गायत्री मंत्र जप की पूर्णाहुति की गई।

इस दौरान साधकों एवं श्रद्धालुओं ने विधि विधान के साथ यज्ञ में आहुतियां अर्पित कर समस्त विश्व के कल्याण, सुख.समृद्धि, शांति एवं जन जन के मंगल की कामना की नवरात्रि के आध्यात्मिक वातावरण के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में गायत्री महामंत्र की महिमा एवं यज्ञ के आध्यात्मिक महत्व का विशेष अनुभव किया गया। यज्ञ में पूर्णाहुति अर्पित करते हुए साधकों ने समाज में सद्भाव, सकारात्मकता, नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों के प्रसार की कामना की। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान श्रद्धा और भक्ति का वातावरण बना रहा। गायत्री चेतना केंद्र में आयोजित पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ इस कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। गायत्री मंत्र जप की पूर्णाहुति के अवसर पर साधकों ने यज्ञ में आहुतियां समर्पित कर अपने परिवारए समाज एवं संपूर्ण मानवता के सुखद भविष्य की मंगलकामना की। भारतीय संस्कृति में यज्ञ को आध्यात्मिक साधना, आत्मशुद्धि और लोककल्याण का प्रतीक माना गया है। इसी भावना के साथ श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य गायत्री महामंत्र की दिव्य चेतना को जन.जन तक पहुंचाना तथा लोगों को सद्विचार, सदाचार और सत्कर्मों के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा। गायत्री मंत्र जप पूर्णाहुति कार्यक्रम के समापन के पश्चात उपस्थित साधकों एवं श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।



आध्यात्मिक चेतना कर रहे जागृत

कार्यक्रम के माध्यम से समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत करने, पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में संस्कारों को महत्व देने तथा सद्भाव और सेवा की भावना को मजबूत बनाने का संदेश दिया गया। गायत्री चेतना केंद्र की ओर से सभी श्रद्धालुओं से गायत्री महामंत्र की दिव्य चेतना को जन जन तक पहुंचाने तथा समाज में सद्भाव, संस्कार एवं सत्कर्मों का प्रकाश फैलाने का संकल्प लेने का आह्वान किया गया। नवरात्रि के पावन अवसर पर संपन्न इस धार्मिक आयोजन ने आध्यात्मिक साधना, सामूहिक सहभागिता और लोककल्याण की भावना को अभिव्यक्त किया।

